



# ANNUAL REPORT

2022-23



## **SAMARPAN**

- [samarpanjharkhand@gmail.com](mailto:samarpanjharkhand@gmail.com)
- [www.samarpanjharkhand.org](http://www.samarpanjharkhand.org)
- 9934148413

# इरमा-चतरा भास्कर

झुमरीतिलैया • जयनगर • मरकटवा

इटखोरी • टंडवा • सिमरिया

dainikbhaskar.com

**भास्कर**  
**एक्सक्लूसिव**

चंचला गांव की बहु नहीं मैडम हैं, गोरियाडीह में रेमेडियल क्लास से बच्चों के सपनों को कर रही साकार



## खुद इंटर पास और बाल विवाह की शिकार अब उठा रहीं कुरीतियों के खिलाफ आवाज

**कोडरमा** | जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर डोमन्चाव के दाब पंचायत के चन्कोर जंगलों के बीच बसा गांव गोरियाडीह गांव की बहु चंचला कुमारी बच्चों के सपनों को साकार करने में जुटी हैं। खुद इंटर पास चंचला शिक्षा से वंचित बच्चों को न केवल रेमेडियल क्लास के जरिए शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं, बल्कि गांव के लोगों को बाल विवाह खतियान अन्वय कुरीतियों के खिलाफ भी जागरूक कर रही हैं। खुद बाल विवाह की शिकार चंचला की शादी वर्ष 2021 में हुई थी। जब वह मात्र 17 वर्ष की थी। गांव पहुंचने के बाद उसने देखा कि यहां के बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। वहीं कई बच्चियों की बाल विवाह हो रहे हैं। इन सन्कों देव इसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए उसने गांव की बेटियों एवं अन्य महिलाओं से इस मुद्दे पर बात करना प्रारंभ की। फिर महिला समूह से जुड़कर लगातार स्थानीय स्तर पर चर्चा करने लगीं। गांव की अन्य महिलाओं ने उनका साथ देना शुरू किया। जब वह गांव में आई थी तो कोरना काल था। स्कूल बंद थे। दो वर्ष की रोक के लिए डिवाय चुनने की ज़रूरत पड़ने में सभी लगे रहते थे। बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने के लिए लोगों के पास पैसे नहीं थे। चंचला ने समर्पण संस्था से संर्क स्थापित किया और अपनी भावनाओं से अभ्यस्त कराया। संस्था के सहयोग से गांव में रेमेडियल क्लास की शुरुआत की गई। जहाँ दर्जनों बच्चों को शिक्षा देने का काम शुरू किया गया। यह सिस्टम आज भी जारी है।

## मिडिल व हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए की गाड़ी की व्यवस्था

गांव के स्कूल में मात्र पांचवीं तक की पढ़ाई होती है। मिडिल और हाई स्कूल के लिए जंगल के रास्ते 7 किमी दूर दाब जाना पड़ता था। अभिभावक डर की वजह से बच्चों को पढ़ने नहीं भेजते थे और उनकी शादी कर दी जाती थी। इसका समाधान निकालने के लिए चंचला ने ग्रामीणों के साथ बैठक की। भाड़े पर एक गाड़ी की व्यवस्था की गई। ग्रामीण चंदा कर अपने बच्चों को विद्यालय भेजने लगे। फिलहाल गांव के सभी बच्चे उच्च शिक्षा के लिए दाब जाते हैं। गांव में शुरू की गई नि:शुल्क रेमेडियल क्लास हर किसी को परंद आ रहा है। संस्था इन्हें शिक्षण सामग्री एवं उनकी व्यक्तिगत जरूरतों का खर्च रखते हुए आर्थिक सहायता भी दे रही। इसके संकारालोक परिणाम भी सामने आए हैं। गांव में बाल विवाह होना फिलहाल बंद हो गया है। गांव की दोस्तों देवी, सोनिया लक्ष्मी देवी, सदाशिव ललित देवी, पति अशोक कुमार सिंह, सविता देवी आदि का भरपूर सपोर्ट मिल रहा है। इन्हीं लोगों की वजह से इन्हीं पहचान गांव में आज बहु के रूप में नहीं बल्कि, मैडम के रूप में हो रही है।

# इरमा-चतरा भास्कर

झुमरीतिलैया • जयनगर • मरकटवा

इटखोरी • टंडवा • सिमरिया

dainikbhaskar.com

**मंडे पॉजिटिव**

स्वयंसेवी संस्थाओं ने 86 महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा किया, जोखिम भरे दिबरा चुनने के काम से मिल रही मुक्ति

## महिलाओं की पंचायत...घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव के 500 मामले सुलझाए

अजय कुमार | कोडरमा

जिले के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की स्थिति बदलने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से कई प्रयास किए जा रहे हैं। जिसका परिणाम भी दिखने लगा है। संस्था के द्वारा महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबी बनाने के साथ साथ अपने विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के जरिए घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार व लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध अब अपनी आवाज सुलंघ करने लगी है। एक समय था जब महिलाएं हिंसा, प्रताड़ना जैसे मामलों पर चुप्पी साध लेती थीं, लेकिन अब वे कानून का सहारा लेकर न्याय के लिए आगे आने लगीं हैं।

खराब आर्थिक स्थिति या शिक्षा की कमी वाले परिवारों एवं महिलाएं शोषित हो रही हैं बल्कि, आर्थिक रूप से संपन्न व पढ़े-लिखे परिवार की महिलाएं भी हिंसक घटनाओं व भावनात्मक चोटों से दो-चार होना पड़ रहा है। जिला कोडरमा में स्थानीय संस्था समर्पण के द्वारा लगातार इस क्षेत्र में पहल किया जा रहा है। संस्था द्वारा न सिर्फ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एसेट सपोर्ट दे रही हैं बल्कि उन्हें प्रशिक्षित कर कला-कौरल से लैस भी कर रही है। पिछले 2 सालों में संस्था के विभिन्न परियोजनाओं से कुल 86 महिलाओं को एसेट सपोर्ट व पूंजी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के दिशा में सार्थक प्रयास किया गया है। जिसमें से ज्यादातर राशन दुकान, बकरी पालन, चांस की सामग्री निर्माण, मनिहारी, होटल, माइका गरम मसाला पैकिंग कार्य, सब्जी उत्पादन, आटा चक्की आदि शामिल है। महिलाएं अब डिवाय चुनने छोड़कर इस कार्य ज्यादा समय दे रही हैं और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बन रही हैं। इसके साथ-साथ 500 महिलाओं को उनके विवाह को सुलझाकर पुनः समाज में पुनर्स्थापित किया गया है।



स्वयंसेवी संस्थाओं की बैठक में शामिल महिलाएं। यहां पर महिलाओं की समस्याएं सुनते संस्था के सदस्य।

## पति के मौत के बाद लाचार थी, अब मनिहारी का सामान बेचकर पैसे कमाती हूँ: मुनिया

कोडरमा प्रखंड के जरगा की लक्ष्मी देवी जो पहले दिबरा चुनने जंगल जाती थीं, गर्मी के दिनों में दिनभर जंगल में रहती थीं और महुआ चुनती थीं। अब समर्पण संस्था के सहयोग से अपना जनरल स्टोर की दुकान चला रही हैं। बेंदी की मंदीदारी देवी चाय, पक्वोड़े, बिस्किट, गुर्गा भात बेचकर पहले से ज्यादा ज्यादा मुनाफा कमा रही हैं। चानको को मुनिया देवी कहती है कि पति की मृत्यु के बाद मैं पूरी तरह लाचार हो गई थी। संस्था समर्पण ने मनिहारी का सामान देकर मदद किया और मैं अब उसे बेचकर प्रति सप्ताह 200 से 500 रुपए की आमदनी कर लेती हूँ। संस्था सचिव इंद्रप्रणि साहू ने बताया कि सीमित संसाधनों से ही हम अपने क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक स्थिति को मजबूत करते और उनके बच्चों को स्कूलों में पढ़ते हुए देखना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था इन दिनों माइका माईस क्षेत्र के बेंदी, गड़डी, जर्गा, डोढकोला, दाब, बंगाखार आदि पंचायतों में कार्य कर रही है।

## Table of Contents

---

1. <i>Message from the Secretary</i> .....	01
2. <i>About us</i> .....	02
3. <i>Vision &amp; Mission</i> .....	03
4. <i>Aims, Objectives &amp; Target groups</i> .....	04
5. <i>Operational Area</i> .....	05
6. <i>Annual Expenditure</i> .....	06
7. <i>Our partners/doners</i> .....	07
8. <i>acknowledgment/Awards</i> .....	08
9. <i>Details of Interventions</i> .....	09-19
10. <i>UN SDG are directly impacted through our activities</i> .....	20
11. <i>Other Information</i> .....	21
12. <i>Our Impact by Numbers</i> .....	22-23
13. <i>SDG and our Activities</i> .....	24
14. <i>Samarpan: Legal Status</i> .....	25
15. <i>Office Address</i> .....	26

# Message from the Secretary

---

## Dear Friends and well-wishers,

I am happy to present this annual report for the year 2022-23 like every year, this year also we have achieved big results by taking small steps. I am also happy that we have made changes in the strategy by assessing our progress throughout the year. Before preparing this annual report, many strategy and contemplation meetings were held regarding the activities and results throughout the year, monthly reports, quarterly reports, and half-yearly reports were prepared. This report has been prepared based on that.



By the way, the year 2022-23 was a challenging year for all of us. Because this was the year after the Covid 19 pandemic. Everyone was struggling to overcome the dangers and troubles. There was a panchayat election in Jharkhand in May 2022. There was a lot of enthusiasm among the villagers about this election. The political scenario of many villages changed. The villagers did this work with their wisdom. A large number of young leaders and members of women's groups were elected. This is a good sign. This year, there was no rainfall in most of the districts of Jharkhand including Koderma. Hence, the Jharkhand government declared a total of 12 districts as drought-affected districts and started the Drought Relief Scheme. This brought some relief to the farmers. Apart from this, there was a large-scale migration of youth from rural areas of most of the districts to big cities. Despite this, the Samarpan team implemented its scheduled activities in the area in a planned manner. Good results were seen. We are happy that through our struggles and commitments, we have been able to bring back smiles on the faces of countless children. Dozens of women were linked to alternative sources of employment.

The VDCs formed in the villages became active and increased their participation in the Gram Sabha. Establishment of community libraries, CFC, resource centers in villages, strengthening livelihood sources by giving asset support to women, training of farmers on advanced agriculture, organizing camps for animal husbandry, life skill training, the establishment of Bal Manch in villages, the establishment of book clubs, running of creches, organizing various programs on health and nutrition, maintenance of water sources, running campaigns on the environment and linking with various social security schemes, etc. have shown good results. However, this year, focus was also given to environment and climate change and various sports programs with adolescent girls on gender equality and gender justice.

We are heartily grateful and thank the colleagues, friends, donors, agencies, well-wishers, etc. who have given direct and indirect cooperation and support in making this entire campaign successful. We hope for your cooperation and guidance in the future as well.

Thanks!

Indramani Sahu

# About us

---

**S**amarpan is as a campaign launched to bring the children & adolescents involved in the illegal mica mines of Koderma into the mainstream of education by freeing them. Some of us young friends starting it together. Since then, Samarpan has continued to drive initiatives towards capacity building, fostering partnerships, livelihood promotion, ensuring entitlements, water conservation, and making a lasting impact on the health and rights of marginalized people.

Now, Samarpan's initiatives address issues related to Child rights, Women's empowerment, Livelihood promotion, Water Conservation, Education, Health, Nutrition, and Social Security.

Samarpan believes in Indigenocracy, self-governance (Gram Sabha) self-dignity, and freedom with the equal and active participation of women, youth, and excluded communities. Also, the expansion of joyful life to every human being with the conservation and preservation of Natural and Cultural heritage. Overall, we are a team of grassroots experts committed to delivering outstanding results.



**An egalitarian society where there is freedom and justice tempered by values of love, prosperity, and happiness.**



**To organize the exploited and oppressed people so that they could control natural resources, work to decentralize children, young and people (CYP), self-rule, and self-reliance to bring in an egalitarian society based on freedom and justice this should be tempered with values of love and happiness.**



## AIMS AND OBJECTIVES

- To improve the socio-economic **status** of Vulnerable Communities/Women.
- To empower the community for sustainable agriculture practices & water conservation.
- To empower the community for biodiversity and water conservation.
- To ensure a healthy and hygienic environment.
- To promote Self-Rule (Gram Sabha) at the grassroots through training, awareness, advocacy, and campaigns.
- To ensure quality education for children.
- To enhance livelihood status through IGA (Like Goat Farming, Piggery, Poultry and Social Entrepreneurship, etc.)

## TARGET GROUP

The vulnerable Dalit, OBC, and PTG populations form SAMARPAN's target people and its major beneficiaries. In its endeavor, special emphasis has been given to the women and children of the rural population.

- Women and children at risk.
- Prenatal and postnatal mothers
- Marginalized people
- Migrant workers and their families
- Psychologically/Physically challenged persons.
- Adolescent Girls and Boys.
- Rural farmers & Dalit, OBC, PTG children.
- Old people, bonded labors
- Communities of Mica Mining
- Government-based CBOs
- PRIs



# Operational Areas



Financial Year	Assets	Liabilities	Income	Expenditure	Receipt	Payment
2022-23	19,50,439.26	24,05,852.26	1,54,35,933.64	1,61,07,026.69	1,80,97,611.71	1,61,73,588.69
2021-22	51,56,992.00	20,84,914.00	1,33,58,246.00	1,19,55,190.00	1,56,14,583.00	1,33,39,437.00
2020-21	52,84,109.00	35,70,171.00	1,67,73,380.00	1,74,54,767.00	1,59,65,248.00	1,42,40,488.00



# Our Partners/Donors



Name of the award	Name of the organization awarding/facilitating	Award Brief	Year of Award
Best Livelihood Program Implementing Agency	NABARD, Jharkhand	Second place in the state for better work towards livelihood enhancement.	2020
Best Master Trainer Award	UNICEF, New Concept and Alliance of Immunization & Health	Social Behavior & Communication Change	2017
Best Social Leadership Award	National Foundation for India	Best leadership & Advocacy	2015
Plan Global Award 2013	Plan India	Voice of the People and Advocacy Campaign	2013
RTI Citizen Award	Jharkhand RTI Forum & Media Information & Communication Center of India	In recognition of distinguished efforts & Contributions made to strengthen the RTI	2013
National Media Award	National Foundation for India	Best writing articles on social issues	2012

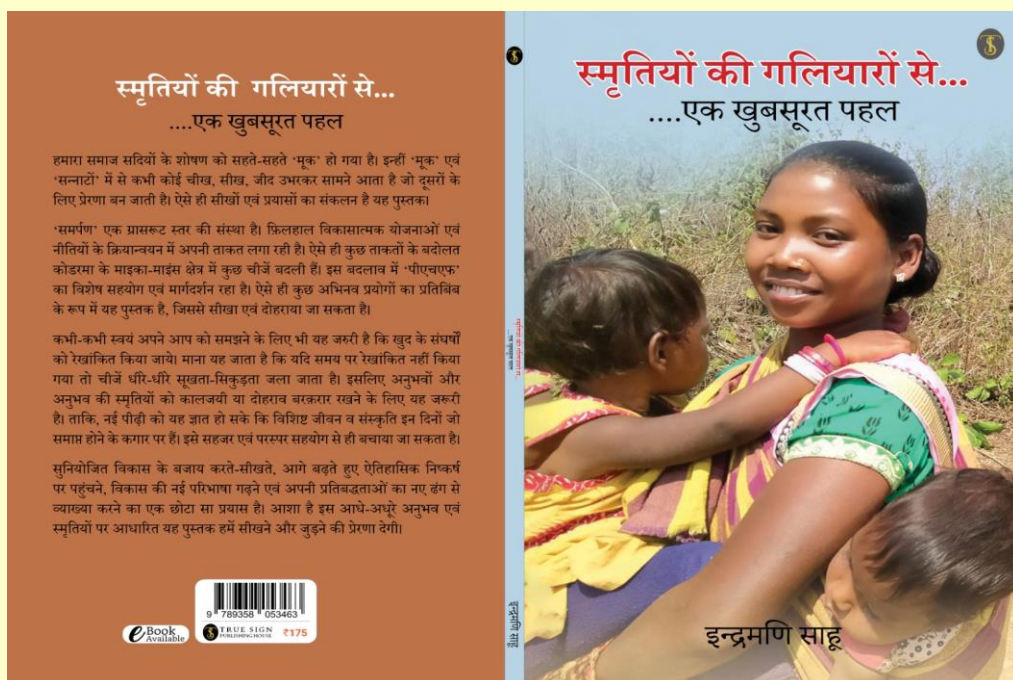


**Project:** Enhancing livelihood and Nutritional Status through Agriculture and Water Conservation.

**Objective:**

- Address malnutrition
- Revive natural sources of water & create a water-conservation structure.
- Income generation through livestock, kitchen Gardens, cultivation, small business & producing products from bamboo, leaves.
- Capacity building of community in water conservation, agriculture & livestock development, and link with government programs & welfare schemes.

**T**here is a huge shortage of water in Domchanch block under the mica mines area of Koderma. Keeping this in mind, a campaign was launched to conserve rainwater and revive water sources. This year this campaign was handed over to the community. Various activities were conducted under this campaign. In which the initiative of construction of Bora Bandh, Patthar Bandh, Check Dam, Talab ki Khudae & Jirnodhdhaar, Chuvan se Kuan, etc. was unique. A district-level JAL SANVAD program was organized and handed over to the community. On this occasion, a book titled **Smritiyon ki Galiyaron Se: Ek Khubsurat Pahal** was also released.



**Project:** Right to survival - securing health, nutrition, and education for children and safeguarding them from the harms of illegal mining in Koderma Districts.

**Objectives:**

- To provide health services, quality supplementary nutrition, and pre-school education to all children in the age group of 0-5 years.
- To link children in the age group of 6-14 years and 15-18 years involved in mica mines of Koderma to primary and secondary schools.
- To link the underprivileged to health, nutrition, education, and government schemes in collaboration with state and district-level stakeholder government services.

---

**U**nder this project, creches (*Bal Baagicha*) have been opened in a total of 11 villages to provide proper nutritional support and care to children from vulnerable communities. This is a unique centre for this area. Here, children from 6 months to 3 years of age are provided a safe and clean environment. Along with this, regular updates of food supplements, regular height and weight checkup, MUAC checkup, playful activities, habits etc. are taken. Apart from this, various activities are being conducted to fulfill the above objectives.



## Project: Community Empowerment Program-2

RMI is supporting the Community Empowerment Programme in 10 villages of Koderma. This initiative is strategically designed to uplift communities living in mica-rich areas. A total of 5 themes are kept in focus under this program

1. Livelihood
2. Education
3. Social Rights
4. Health, Hygiene and Nutrition
5. Advocacy

Under this program, ultra-poor families are being uplifted through various activities with individual, small-group as well as large-group support such as asset-building assistance, vocational training, financial literacy sessions, distribution of kitchen garden seeds, provision of scholarships, the establishment of educational infrastructure, CFC, Community Library, run of Bal wadi, organizing health camps, Nutritional camp, hygiene awareness, and handholding support to access social security schemes.



**T**his is an important initiative towards bringing about a comprehensive change in the development and lives of families and their children dependent on mica. Through this project, the attention of the district administration has also been drawn towards the area of mica mines. Infrastructure and facilities are expanding. Along with the development of life skills among children and youth, active participation in sports and arts has started.



**Project: CHILDLINE-1098**

CHILDLINE is a project of the Ministry of Women and Child Development. CHILDLINE toll-free 1098 is India's first 24-hour free emergency phone service for children in need, care and protection. Any concerned adult or a child in need for help, may dial 1098, the toll-free number to access our services. CHILDLINE is not only responding in an emergency but also linking them to services for their long-term care and rehabilitation.

- The goal of the CHILDLINE is to form a child-friendly nation where children are looked upon for their future and every child has ensured his/her right to enjoy their childhood.
- Samarpan has been working since 2016 as a Collab organization along with one sub-center NGO partner RJSS at Satgawan Block in Koderma district.

---

*In collaboration with CHILDLINE India Foundation, CHILDLINE Project is being run in the Koderma district (As a Collab) to protect the rights of all children in the age group of 0-18 years. This toll-free number is unique in itself. It gives great pleasure to rescue and help children in distress. This 24x7 service is very effective for children. Activities under this project include daily interventions, case follow-up, community awareness, outreach activities, open house sessions, etc.*

---



**Project:** Addressing Trafficking through Effective Prevention and Reintegration

**Objective:**

- To contribute to strengthening systems to prevent and protect Children and Young People at risk of or affected by unsafe migration and assist in sustainable reintegration of survivors of trafficking and exploitation.
- To establish resource pools at the district level to assist victims of unsafe migration and further generate evidence to conduct collective advocacy at the state level.
- To promote safety in reintegration and establish child safeguarding in the community and other places.
- To support the Mental Health, functioning, and Psychosocial well-being of survivors of trafficking.
- To raise child protection concerns and support referrals through regular meetings with formal and informal child protection stakeholders.
- To increase collective action through theatre, sports, and arts by girls, boys, parents, and survivors of trafficking to challenge harmful practices.

*In this project supported by TDH Foundation, we are continuously organizing many programs to prevent trafficking by forming groups of girls, adolescents, boys etc. in our area. The work of collective action and community awareness is being done by adolescents through drama, theater, sports and art etc. The number of CYP is increasing and they are becoming able to identify the risks they face. They have started making public declarations against gender-based harmful practices.*

*Through the use of BECOME tools, equipment, etc., children have become capable of following their best interest principles. Seeing all this gives great satisfaction to the mind and heart.*



**Project:** Digital & Raksha Innovation

The sole objective of this project is the digital solution in the hands of young people facing or at risk of sexual abuse to seek support/help.

**T**his project is different from other project because in this, the youth and adolescent have helped in creating and using the Raksha App.



**Project:** Awareness campaign on govt. Policies, programs, and schemes through Nukkad Natak & Seminar-Symposium.

Area of Intervention: Koderma, Chatra, Hazaribagh & Saraykela-Kharsawan, Giridih, and Lohardaga District of Jharkhand

**D**ue to a lack of awareness, most people in the urban and rural areas of Jharkhand cannot avail the facilities of Govt. schemes. In this context, our organization has two Nukad Natak teams which have been organizing Nukkad Natak, Geet-Sangeet, Seminar, Symposium, etc. to inform the community of government development schemes. They go to villages and aware communities regarding Government schemes and also give messages regarding blind faith and social evils by singing Lokgeet, Mimicry, and Nukad Natak. This is a very effective way to make the community aware and we find positive results.



**Project:** Livelihood & Enterprise Development Program (LEDP)

**Area of Intervention:** Three Panchayats (Naitand, Beko & Dandadih of Jainagar Block of Koderma District)

---

**W**ith the help of NABARD, SHG members were first given training on livelihood generation. After this, today all the members are cultivating vegetables for livelihood, while in Dandadih, women groups are cultivating madua and doing business of various dishes and products made from madua.

---



**Project:** Run of Swadhar Greh

Samarpan is being run Successfully a Swadhar Greh at Hazaribagh with the support of Women and Child Development. Here, Institutional assistance is given for the rehabilitation of women victims of difficult circumstances. So that they can live their life with dignity. Under this scheme, economic and social security is being provided to these women along with shelter, food, clothing and health.

**Swadhar has a total capacity of 30 women with the following objectives:**

- To cater to the primary need of shelter, food, clothing, medical treatment and care of women in distress and who are without any social and economic support.
- To enable them to regain their emotional strength that gets hampered due to their encounter with unfortunate circumstances.
- To provide them with legal aid and guidance to enable them to take steps for their readjustment in family/society.
- To rehabilitate them economically and emotionally.
- To act as a support system that understands and meets various requirements of women in distress.
- To enable them to start their life afresh with dignity and conviction.



**Project:** Run of Ujjawala Scheme/Home

Trafficked women/girls rescued or runaway from brothels or other places where they face exploitation and Women affected by HIV/AIDS who do not have any social or economic support. However, such women/ girls is being given the assistance under UJJAWALA Scheme in Hazaribagh, Jharkhand.

**T**here is a great need for such homes in Jharkhand. Because, whether they are victims of domestic violence, girls trapped in love affairs or women who are victims of trafficking. Today, their number is increasing. The heart becomes happy by providing proper security and rehabilitation services to such women and adolescents.

## दांपत्य जीवन में अविश्वास से उपजे दरार को उज्जवला होम ने पाटकर पीड़िता का बसाया घर

भास्कर न्यूज़ | हजारीबाग

शादी और पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास और प्यार से बंधा होता है अगर इसमें जरा सी भी अविश्वास या एक दूसरे के प्रति शक होने लगे तो जिन्दगी तबाह हो जाती है। कुछ ऐसा ही मामला उज्जवला होम में आया था जिसे यहाँ के कर्मियों ने गंभीरता से लिया और फिर स्थानीय थाना के सहयोग से पीड़िता का घर बसाया।

ज्ञात हो कि गिरिडीह जिले के बिरनी थाना से एक पीड़ित महिला जो 2 बच्चे की मां है, पिछले 5 माह से उज्जवला होम में रह रही

थी। उसके पति उन्हें अपने साथ नहीं ले जा रहे थे। उन्हें लगता था कि महिला का प्रेम-प्रसंग गांव के ही 3 बच्चे के पिता के साथ है। इस मामले को लेकर दोनों परिवारों में कई बार मारपीट और कई बार पंचायत भी हुई। परन्तु कोई हल नहीं निकला। जब पत्नी को घर से निकाल दिया तो मामला बिरनी थाना पहुंचा।

बिरनी थाना के द्वारा पीड़िता को आश्रय के लिए उज्जवला होम पहुंचा दिया गया। यहाँ के कर्मियों के द्वारा उनका नियमित परामर्श एवं हक-अधिकारों से वाकफ कराया गया। इधर कर्मियों के द्वारा मामले एवं घर-परिवार की

स्थिति का जायजा लेने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए परियोजना निदेशक इंद्रमणि साहू ने पीड़िता के पति, उनके भाई, देवर एवं अन्य रिश्तेदारों को बुलाया। साथ ही, बिरनी थाना के एएसआई नवीन कुमार, पूर्व मुखिया सुखदेव साव एवं अन्य ग्रामीणों को भी आमंत्रित किया। सभी के सहयोग से मामले पर पहल हुई और आवश्यक परामर्श एवं कागजात तैयार करते हुए पति-पति में मेल मिलाप कराकर हंसी-खुशी घर भेजा गया। थाना एवं अन्य मानिंद व्यक्तियों ने कुशल दाम्पत्य जीवन की शुभकानाएं दी।

**Project:** Women Health & Livelihood Initiative

**Goal:** The goal of The project is to empower rural communication in 05 village of Chandauli especially the women and Adolescent girls through improving their Livelihood opportunities and providing preventive and curative health care facilities for a holistic life

**Project Aims & Objective:**

The project aims to create awareness and bring about behavior change on reproductive health issues with 2000 women and adolescent girls from the selected area. The primary objective of this initiative was to initiate and implement capacity-building interventions in the region.

- To provide preventive health care to 2000 women and adolescent girls on reproductive health issues for improved health behavior and practices.
- To provide curative health services for providing health services and tackling infection among beneficiaries.
- To create an enabling environment for Health-seeking behavior among direct and indirect beneficiaries through various awareness drives.
- To improve the livelihood status of 35 women Entrepreneurs through sustainable farm Non-farm interventions to increase their income up to Rs1500 in selected villages.

**F**or the first time, we got an opportunity to expand our thinking in the villages of another state i.e. Uttar Pradesh outside our state and this opportunity was given to us by Welspun Foundation. With their support, work is being done for health and livelihood promotion in 5 villages of Niyamatabad block of Chandauli district. This work is unique in many respects and worth repeating in other areas. Completing all the activities on time and seeing the increasing awareness among the people is really indescribable. Our team performed well in this new area and created a new identity. Broadly, not only in 5 villages but also in various health centers, sub-



**United Nations Sustainable Development Goals are directly impacted through our activities.**

Pg. 20



**O**ur organization is associated with the following organizations/networks:

No.	Name of the Networks
1.	FEM, Jharkhand
2.	Sanstha Manch, Koderma
3.	DASM (Dalit Adhikar Suraksha Manch)
4.	JVAM (Jharkhand Van Adhikar Manch)
5.	WRAJ (White Ribbon Alliance in Jharkhand)
6.	NAA (Nayi Azadi Abhiyan)
7.	AIH (Alliance for Immunization & Health)
8.	Nine is Mine
9.	GMC (Global Mica Committee in India)
10.	GNB (Girls Not Brides) Jharkhand
11.	CACL (Campaign Against Child Labour) Jharkhand
12.	TAAC Hub
13.	AMAN
14.	Jharkhand CSO Forum

**We have students coming for internship from the following universities:**





# Our Impact by Numbers



From strengthening our team, enhancing their capacity, we are constantly working towards helping people build a better life. We measure our impact in numbers and lives. Behind each number is a story.

31

Running 11 Creches, 7 community libraries, 8 book clubs and 5 resource centres.

3300+

individuals were linked with various social entitlements and schemes.

300+

Providing sanitary napkin hygiene kits to 300+ adolescent girls during BCC sessions and the Engagement program

## IMPACT SNAPSHOT

300

Organizing BCC sessions on various topics

1200+

Training to women, girls and youth on subjects like sewing, life skills, electronics, beautician course and entrepreneurship etc.

48

Regular counseling and life skill programs with 30 Bal Manch and 18 youth clubs

47

Training to 32 SMC members and 15 school teachers

56

Scholarships to 56 children to continue their education

32

Asset support to 32 families to enhance their income

250

women trained in financial literacy training.

300

Community members benefitted from health camp

22

Study material assistance to 22 child groups

1250+

children successfully enrolled in school



# Our Impact by Numbers



The team has a passion for learning. They are constantly learning and completing all the tasks on time and strengthening the community on the basis of democratic strategy, along with achieving the annual goal. The target has been set to reach 50000 households in the next three years.

40

Organizing 20 OPD and 20 health camps.

712

women were given shelter in Swadhar and Ujjwala Home and were rehabilitated in their families.

15

Organized open sessions with children

830

Out reach activities

48

Awareness programs organized on child helpline number

1130

Follow up call

712

children were provided protection from various cases through Childline.

28

Celebrated on 28 major days.

2

Safe drinking water facility provided in 2 villages

## IMPACT SNAPSHOT

85

80 households benefited from the livestock camp.

1000

Smokeless stoves were installed in families.

8

Helped in making vermicompost pits in families

75

Girls were protected from sexual abuse, child marriage, trafficking, etc.


Really, we couldn't have done  
it without your generous,  
support and guidance


**Thank you**


to all our donors,  
team members and  
volunteers.

Let us keep spreading  
happiness.....Thanks!



 [samarpanjharkhand@gmail.com](mailto:samarpanjharkhand@gmail.com)

 [www.samarpanjharkhand.org](http://www.samarpanjharkhand.org)

 Sunder Nagar, Koderma Pin  
825410, Jharkhand

 9934148413, 9534048713

